

भारतरत्न, भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी के १००वें जन्म दिवस पर सादर समर्पित

श्री अटल बिहारी वाजपेयी का शैक्षिक अवदान

- डॉ. आशीष जैन आचार्य शाहगढ़, सागर
(राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त)

हार नहीं मानूँगा, रार नहीं ठानूँगा
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ॥

- अटल बिहारी वाजपेयी

व्यक्ति का जीवन संघर्ष और दृढ़ इच्छाशक्ति से महान बनता है। बड़े बनने के लिए बड़प्पन होना आवश्यक होता है। धैर्य, साहस और दृढ़ता ये सफल व्यक्तियों की पहचान होती है। भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का सम्पूर्ण जीवन संघर्ष और उत्कर्ष की प्रेरणीय कहानी है। जन-जन तक अपनी वेबाक शैली और दृढ़ता के साथ प्रस्तुतिकरण करने के लिए जाने पहचाने एक प्रखर राजनीतिज्ञ और कवि होने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपने महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए जाने जाते हैं। शिक्षा उनके जीवन का मुख्य आधार बनी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक दृढ़ता के साथ सीखा। पत्रिकाओं का सम्पादन किया, कविताएं लिखी और शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अनेक संघर्ष किए। हम यहाँ उनके शैक्षिक अवदान की चर्चा कर रहे हैं, जो उन्होंने राष्ट्र के लोगों के लिए दिया है। उनके द्वारा किए गए शैक्षिक अवदान का की प्रेरणीय परिचर्चा सादर प्रस्तुत है -

✚ **सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत** - पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार द्वारा 2000-2001 में सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत की गयी थी। सर्व शिक्षा अभियान का मुख्य उद्देश 6 से 14 साल तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना था। इस अभियान के तहत अब तक 14.5 लाख से अधिक प्राथमिक स्कूलों में 19.67 करोड़ से अधिक बच्चों का दाखिला हो चुका है। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए 66.27 लाख अध्यापक प्राथमिक स्कूलों में उपलब्ध हैं। (यह आंकड़े इंटरनेट से प्राप्त हैं।)

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत विगत वर्षों में अनेक उपलब्धियाँ परिलक्षित हुई हैं, जिसके परिणाम स्वरूप साक्षरता, सीखने की प्रक्रिया में, रोजगार में जबरदस्त वृद्धि हुई है। हम यहाँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर यह सुनिश्चित कर करते हैं कि श्री वाजपेयीजी के सर्व शिक्षा अभियान की सोच ने शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्तन किए हैं -

1. प्राथमिक विद्यालयों का बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है।
2. प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को समय-समय पर शिक्षण-प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं।
3. विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तकों, कंप्यूटर, पुस्तकालयों एवं मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गयी।
4. प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को एक समान समझा गया।
5. लड़कियों के लिए हॉस्टल की सुविधा वाले कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय स्थापित किए गए।
6. विशेष जरूरतों वाले बच्चों को मेडिकल सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गयी।
7. प्राथमिक विद्यालयों को संगठनों के साथ जोड़ा गया, जिससे विद्यालयों में शिक्षा के स्तर की निगरानी हो सके।
8. प्राथमिक विद्यालय को आनंद-घर मानकर शैक्षणिक कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

✚ **शिक्षा का महत्व और प्रेरणा** - श्री वाजपेयी जी का मानना था कि शिक्षा का अधिकार सभी का है, इसलिए शिक्षा सभी तक पहुँचना अनिवार्य है। उन्होंने शिक्षा को सब तक पहुँचाने के लिए जहाँ एक ओर सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत की, वहीं दूसरी ओर उन्होंने युवाओं को उत्तम शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण साधन बताया।

✚ **साक्षरता अभियान** - श्री वाजपेयी जी ने शिक्षा घर-घर और जो शिक्षा से वंचित वर्ग हैं उन तक शिक्षा पहुँचाने के लिए और साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को प्रोत्साहन दिया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना और शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार पर कार्य करने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण कार्ययोजनाओं को भी मूर्त रूप दिया।

✚ **तकनीकी शिक्षा का विकास** - वर्ष 2000 से सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति प्रारंभ हो गयी। लोग आईटी को जानना चाह रहे थे और उसका उपयोग भी करना चाहते थे। ऐसे में, तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय श्री वाजपेयी जी ने अपने कार्यकाल में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार किए। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और विज्ञान के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने के लिए नीतियां लागू कीं। जिसका प्रभाव अद्यतन परिलक्षित हो रहा है।

✚ **हिंदी और मातृभाषा का प्रोत्साहन** - वे भारतीय भाषाओं के जबरदस्त प्रेमी थे। उनका मानना था ये भारतीय भाषाएं हमारे प्राण हैं। इनमें भी प्राण फूं कने का कार्य हिन्दी करती है। इसलिए हिन्दी भाषा में ही सारे कार्य हो ऐसा उन्होंने खूब प्रयास किया। वाजपेयी जी ने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा दिया। उनका मानना था कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने से बच्चों का मानसिक और सांस्कृतिक विकास उत्तम होता है। जिसकी फलश्रुति आज हम देखते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में ही हो, यह प्रावधान किया गया।

✚ **साहित्य और प्रेरणा स्रोत** - वे एक अच्छे कवि और साहित्यकार भी थे। एक वक्तव्य में उन्होंने कहा था - मेरे आनंद का विषय मेरी कविताएँ हैं लेकिन देश की सेवा में कविता प्रेम पीछे रह गया। फिर भी, उनकी कविता नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करती है। उनके विचार और कविताएँ छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी कविता के कुछ अंश -

टूटे हुए तारों से फूटे वासंती स्वर
पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर
झरे सब पीले पात, कोयल की कुहुक रात
प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूँ
गीत नया गाता हूँ
टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी
अंतर की चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी
हार नहीं मानूँगा, रार नहीं ठानूँगा
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ
गीत नया गाता हूँ।।

✚ **श्री वाजपेयी जी की कुछ शानदार प्रेरणीय टिप्पणियाँ -**

- भारत को लेकर मेरी एक दृष्टि है- ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो।
- मेरी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है।
- हम मानते हैं कि शिक्षा केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण और मस्तिष्क के साथ-साथ आत्मा का भी विकास है।
- शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि समाज को एक बेहतर दिशा देने वाले नागरिक बनाना है।

- आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। उन्हें शिक्षा से ही सशक्त बनाया जा सकता है।
- शिक्षा का महत्व केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, यह जीवन जीने की कला सिखाने का माध्यम है।
- हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो विज्ञान के साथ नैतिकता को जोड़े और संस्कृति के साथ आधुनिकता को मिलाए।
- शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञान के माध्यम से मनुष्य को आत्मनिर्भर बनाना और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी को जागरूक करना है।
- शिक्षा का काम केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है।

निष्कर्ष - श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी चाहे प्रधानमंत्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष के रूप में रहे हों। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से देश की बात की है। ऐसा देश जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्पन्नता का संबल बना रहे। अटल बिहारी वाजपेयी का शैक्षिक अवदान केवल नीतियों और योजनाओं तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने शिक्षा को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला तत्व माना है। उनके प्रयासों ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को न केवल समृद्ध किया, बल्कि उसे आधुनिक और समावेशी भी बनाया।

- 154 गीतांजलि ग्रीनसिटी,
संजय ड्राइव रोड़, सागर म.प्र.
9329092390
aasheishjain@gmail.com